BHDE-101/EHD-01

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी.)

सत्रीय कार्य
(जुलाई 2019 एवं जनवरी 2020 सत्रों के लिए)

हिंदी गद्य
पाठ्यक्रम कोड : बी.एच.डी.ई–101/ई.एच.डी–01
हिंदी में ऐच्छिक पाठ्यक्रम

मानविकी विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068

हिंदी में ऐच्छिक पाठ्यक्रम
सत्रीय कार्य (2019–20)

पाठ्यक्रम : बी.डी.पी/बी.एच.डी.ई–101/ई.एच.डी–01/टी.एम.ए/2019–20

प्रिय छात्र/छात्राओ,

यह सत्रीय कार्य शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य (TMA) है। सत्रीय कार्य के लिए 100 अंक निर्धारित किए गए हैं। सत्रीय कार्य में पूरे पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जाएँगे।

उद्देश्य : शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य–सामग्री को कितना समझा है और आप उसे अपने शब्दों में कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं। यहाँ पाठ्य सामग्री की पुनर्प्रस्तुति से तात्पर्य नहीं है वरन् अध्ययन के दौरान जो कुछ सीखा और समझा है उसे आप आलोचनात्मक ढंग से प्रस्तुत कर सकें।

सत्रीय कार्य जमा कराने की तिथियाँ :

जुलाई 2019 सत्र के लिए	:	**31 मार्च 2020**
जनवरी 2020 सत्र के लिए	:	**30 सितंबर 2020**

सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश

इस सत्रीय कार्य में आपसे मुख्य रूप से तीन तरह के प्रश्न पूछे गए हैं। लंबे निबंधात्मक प्रश्नों के उत्तर लगभग 800 शब्दों में लिखने हैं तथा लघु प्रश्नों के उत्तर 500 शब्दों में देने हैं। इसके अलावा तीसरी श्रेणी के प्रश्न हैं जिनमें दिए गए शीर्षक पर 300 शब्दों में टिप्पणी लिखनी है।

1. **अध्ययन :** सबसे पहले सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। फिर इससे संबंधित इकाइयों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए। अंत में प्रत्येक प्रश्न के संबंध में कुछ खास बातें नोट कर लीजिए और उन्हें तार्किक ढंग से पुनर्व्यवस्थित कीजिए।

2. **अभ्यास :** उत्तर का प्रारूप तैयार करने से पूर्व नोट की गई बातों पर विचार कीजिए। अनावश्यक बातों को हटा दीजिए और प्रत्येक बिंदु पर विस्तार से विचार कीजिए। निबंधात्मक या टिप्पणीपरक प्रश्नों में आरंभ और उपसंहार पर विशेष ध्यान दीजिए। उत्तर के आरंभिक अंश में प्रश्न की संक्षिप्त व्याख्या और अपने उत्तर की दिशा का संकेत अवश्य दे देना चाहिए। मध्य भाग में आप उत्तर का मुख्य भाग आवश्यक विस्तार के साथ क्रमबद्धता और तार्किक ढंग से प्रस्तुत करें। उपसंहार में उत्तर का सार देना चाहिए।

यह सुनिश्चित कर लीजिए कि :

क) आपका उत्तर तार्किक और सुसंगत हो,

ख) उत्तर सही ढंग से लिखा गया हो तथा आपकी अभिव्यक्ति शैली और प्रस्तुति के पूर्णतया अनुकूल हो,

ग) उत्तर, प्रश्न में निर्धारित शब्दों से अधिक लंबा न हो, और

घ) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियाँ न हों, विशेष रूप से मात्रा और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें।

3. **प्रस्तुति :** जब आप अपने उत्तर से पूर्णतया संतुष्ट हो जाएँ तो उसे साफ और सुंदर अक्षरों में उत्तर पुस्तिका में लिख लीजिए तथा जिन बातों पर आप जोर देना चाहते हैं, उन्हें रेखांकित कर दीजिए।

शुभकामनाओं के साथ।

नोट : याद रखें कि परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

हिंदी में ऐच्छिक पाठ्यक्रम
हिंदी गद्य
सत्रीय कार्य : 2019–20
(पाठ्यक्रम के सभी खंडों पर आधारित)

पाठ्यक्रम कोड : बीएचडीई-101/ईएचडी-01
सत्रीय कार्य कोडः बीएचडीई-101/ईएचडी-01/टीएमए/2019-20
कुल अंक-100

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन गद्यांशों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 10X3=30

क) देखो बेटा, तुम मेरे मेहमान, मैं शेख साहब का, है न? वह मेरे साथ जो करना चाहते हैं, वही मैं तुम्हारे साथ करना चाहता हूँ। चाहता नहीं हूँ, पर करने जा रहा हूँ। वह भी चाहते हैं कि नहीं, पता नहीं, यही तो जानना है। इसलिए तो मैं तुम्हारे साथ वह करना चाहता हूँ जो मेरे साथ वह पता नहीं चाहते हैं कि नहीं ..... नहीं, सब बात गड़बड़ हो गई।

ख) (आवेश से) यह नहीं हो सकता। महादेवी! जिस मर्यादा के लिए – जिस महत्व को स्थिर रखने के लिए, मैंने राजदण्ड ग्रहण न करके अपना मिला हुआ अधिकार छोड़ दिया; उसका यह अपमान! मेरे जीवित रहते आर्य समुद्रगुप्त के स्वर्गीय गर्व को इस तरह पद-दलित न होना पड़ेगा। (ठहर कर) और भी एक बात है! मेरे हृदय के अन्धकार में प्रथम किरण-सी आकार जिसने अज्ञात भाव से अपना मधुर आलोक ढाल दिया था, उसको भी मैंने केवल इसीलिए भूलने का प्रयत्न किया कि – सहसा चुप हो जाता है।

ग) क्या मुंशीजी को नींद आ सकती थी? तीन लड़कों में केवल एक बच रहा था। वह भी हाथ से निकल गया तो फिर जीवन में अंधकार के सिवाय और क्या है? कोई नाम लेनेवाला भी न रहेगा। हा! कैसे-कैसे रत्न हाथ से निकल गए? मुंशीजी की आँखों से अश्रुधारा बह रही थी, तो कोई आश्चर्य है? उस व्यापक पश्चाताप, उस सघन ग्लानि तिमिर में आशा की एक हल्की-सी रेखा उन्हें सँभले हुए थी। जिस क्षण यह रेखा लुप्त हो जाएगी, कौन कह सकता है – उन पर क्या बीतेगी? उनकी उस वेदना की कल्पना कौन कर सकता है?

घ) हम लोगों की सम्मति में इन दोनों पुरुषों ने प्रभु की मंगलमयी सृष्टि का कुछ विघ्न नहीं किया वरंच उस में सुख और संतति अधिक हो इसी में परिश्रम किया। जिस चंडाल रूपी आग्रह और कुरीति के कारण मनमाना पुरुष धर्मपूर्वक पाकर लाखों स्त्री कुमार्ग गामिनी हो जाती हैं, लाखों विवाह होने पर भी जन्म भर सुख नहीं भोगने पातीं, लाखों गर्भ नाश होते और लाखों की बाल हत्या होती हैं, उस पापमयी नृशंस रीति को इन लोगों ने उठा देने में अपनी शक्यभर परिश्रम किया।

ङ) संभव है उसे कितनी ही बार दीक्षा लेनी पड़े। उसमें अपने को बदलने की कामना बनी रहे, यही बहुत होगा। मैं केवल इतना चाहूँगी कि वह इतनी जड़ न हो जाये कि अपने वर्तमान को ही सब कुछ समझ ले।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 15X4=60

क) 'ठेस' कहानी के आधार पर सिरचन के चरित्र का विश्लेषण कीजिए।
ख) नुक्कड़ नाटक – 'सबसे सस्ता गोश्त' की कथावस्तु का विश्लेषण अपने शब्दों में कीजिए।
ग) 'निर्मला' उपन्यास के संरचना-शिल्प के विभिन्न पक्षों पर प्रकाश डालिए।
घ) 'रात बीतने तक' की कथावस्तु का मूल्यांकन कीजिए।
ङ) 'ध्रुवस्वामिनी' के प्रतिपाद्य और अभिनेयता के प्रमुख पक्षों को रेखांकित कीजिए।
च) 'पगडंडियों का जमाना' के आधार पर हरिशंकर परसाई के लेखकीय व्यक्तित्व तथा व्यंग्य शैली पर प्रकाश डालिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियां लिखिए : 5X2=10

क) निबंध
ख) शतरंज के खिलाड़ी का परिवेश
ग) 'उसने कहा था' का संरचना-शिल्प
घ) 'त्रिलोचन' का सार
ङ) 'रात बीतने तक' में सुंदरी का चरित्र-चित्रण
च) प्रेमचंद के उपन्यासों में देशकाल और सोद्देश्यता